NEERAJ®

Serving Education for Last 40 Years

M.P.A. -12

प्रशासनिक सिद्धांत

(Administrative Theory)

(International Relations: Theory and Problems)

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Dr. V.B. Singh,*
M.A. (Political Science, Sociology, English, History, Philosophy, LLB., Ph.D.)

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 350/-

Content

प्रशासनिक सिद्धांत

(Administrative Theory)

Question Paper—June-2024 (Solved) 1
Question Paper—December-2023 (Solved) 1
Question Paper—June-2023 (Solved) 1
Question Paper—December-2022 (Solved) 1
Question Paper—Exam Held in March-2022 (Solved) 1
Question Paper—Exam Held in August-2021 (Solved) 1
Question Paper—Exam Held in February-2021 (Solved) 1
Question Paper—June, 2019 (Solved) 1
Question Paper—December, 2018 (Solved) 1
Question Paper—June, 2018 (Solved) 1
Question Paper—December, 2017 (Solved) 1
Question Paper—June, 2017 (Solved) 1

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page

1. लोक प्रशासन : अर्थ, स्वरूप, कार्यक्षेत्र और महत्त्व 1
(Public Administration: Meaning, Nature, Scope and Importance)

2. संगठन का स्वरूप और प्ररूप वर्गीकरण 16
(Nature and Format Classification of Organization)

3. प्रशासनिक सिद्धान्तों का विकास और प्रगति 25
(Development and Progress of Administrative Principles)

4. वैज्ञानिक प्रबंधन दृष्टिकोण (Scientific Management Approach) 34

5. प्रशासनिक प्रबंधन दृष्टिकोण (Administrative Management Approach) 42

6. मैक्स वेबर का नौकरशाही सिद्धांत (Max Weber's Theory of Bureaucracy) 51

7. नौकरशाही के आलोचक (Critics of Bureaucracy) 61

8. मानवीय सम्बन्ध दृष्टिकोण (Human Relation Approach) 69

9. संगठन में निर्णय करने पर हर्बर्ट ए. सीमॉन के विचार 78
(Views of Herbert A. Simon on Decision Making in Organization)

10. संगठनात्मक संरचना, प्रक्रियाएँ और कार्यकरण 91
(Organizational Structure, Processes and Casuisty)

11. सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण : क्रिस आर्गिरिस के विचार 103
(Socio-Psychological Approach: Chris Argyris' Views)

12. सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण : अब्राहम मैस्लो और फ्रेडेरिक हर्जबर्ग के विचार 110
(Socio-Psychological Approach: Views of Abraham Maslow and Frederick Herzberg)

13. सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण : डॉग्लास मैकग्रेगोर और विक्टर ब्रूम के विचार 121
(Socio-Psychological Approach: Views of Douglas McGregor and Victor Broome)

14. खुली और सहकारी प्रणाली (Open and Cooperative System) 130

15. प्रणाली दृष्टिकोण : डेविड ईस्टॉन और चेस्टर बर्नार्ड के विचार 138
(System Approach: Views of David Easton and Chester Bernard)

16. अधिगम संगठन की अवधारणा (Concept of Learning Organizations) 144

17. नई संगठनात्मक संस्कृति (New Organizational Culture) 151

18. नवीन लोक प्रशासन (New Public Administration) 159

19. सार्वजनिक विकल्प का परिप्रेक्ष्य (Perspective of Public Option) 169

20. समीक्षात्मक सिद्धान्त की प्रासंगिकता (Relevance of Critical Theory) 181

21. नया सार्वजनिक प्रबन्धन परिप्रेक्ष्य (New Public Management Perspective) 186

22. इक्कीसवीं शताब्दी में प्रशासनिक सिद्धान्त की स्थिति 197
(Position of Administrative Theory during the Twenty-first Century)

■■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2024

(Solved)

प्रशासनिक सिद्धान्त

(Administrative Theory)

M.P.A.-12

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्न अवश्य कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

भाग-I

प्रश्न 1. संगठन के मुख्य सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-2, पृष्ठ-19, 'संगठन के सिद्धांत'

प्रश्न 2. प्रशासन प्रबंधन दृष्टिकोण के मुख्य सहयोगियों के विचारों को उजागर करते हुए उसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-5, पृष्ठ-42, 'प्रशासन प्रबंधन दृष्टिकोण : महत्त्वपूर्ण सहयोगी'

प्रश्न 3. मैक्स वेबर की नौकरशाही की अवधारणा तथा तत्वों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-6, पृष्ठ-54, 'मैक्स वेबर : नौकरशाही की अवधारणा', पृष्ठ-55, 'मैक्स वेबर : नौकरशाही के तत्व'

प्रश्न 4. 'वैज्ञानिक प्रबंधन दृष्टिकोण के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले सर्वप्रथम हॉथोर्न अध्ययन थे।' विस्तृत वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-8, पृष्ठ-74, 'हॉथोर्न अध्ययन/प्रयोग : प्रमुख निष्कर्ष'

प्रश्न 5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(क) नियंत्रण विस्तार तथा कार्य विभाजन के सिद्धांत

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-5, पृष्ठ-46, 'नियंत्रण विस्तार का सिद्धांत', 'कार्य विभाजन का सिद्धांत'

(ख) मानसिक क्रांति तथा प्रकार्यात्मक फोरमेनशिप की अवधारणाएँ

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-4, पृष्ठ-36, '1. मानसिक क्रांति', '2. प्रकार्यात्मक फॉरमैनशिप'

भाग-II

प्रश्न 6. निर्णयन कार्य में रुचि और व्यवहार तथा मूल्यों और तथ्यों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-9, पृष्ठ-80, 'रुचि और व्यवहार', पृष्ठ-81, 'निर्णयन कार्य में मूल्य व तथ्य'

प्रश्न 7. संगठनों की अवधारणा तथा विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-10, पृष्ठ-91, 'संगठन की अवधारणा', पृष्ठ-92, 'संगठन की विशेषताएँ'

प्रश्न 8. अभिप्रेरण-स्वच्छता सिद्धांत में स्वच्छता और अभिप्रेरण की विशेषताओं को उजागर कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-12, पृष्ठ-118, प्रश्न 2

प्रश्न 9. विक्टर ब्रूम के प्रत्याशा सिद्धांत की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-13, पृष्ठ-126, 'विक्टर ब्रूम के विचार'

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(क) संगठनात्मक संस्कृति की परिभाषा तथा कार्य

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-17, पृष्ठ-152, 'संगठनात्मक संस्कृति की परिभाषा', 'संगठनात्मक संस्कृति के कार्य'

(ख) नवीन लोक प्रशासन के लक्ष्य

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-18, पृष्ठ-161, 'नवीन लोक प्रशासन के लक्ष्य'

■■

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

December – 2023

(Solved)

प्रशासनिक सिद्धान्त

(Administrative Theory)

M.P.A.-12

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्न अवश्य कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

भाग-I

प्रश्न 1. लोक प्रशासन को परिभाषित कीजिए तथा अध्ययन के विषय एवं कार्यकलाप के रूप में इसके महत्त्व की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-1, पृष्ठ-3, 'लोक प्रशासन की परिभाषा', पृष्ठ-5, 'लोक प्रशासन का कार्यक्षेत्र', पृष्ठ-9, 'लोक प्रशासन का महत्त्व'

प्रश्न 2. संगठन के प्रमुख सिद्धांतों तथा महत्त्व को उजागर कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-2, पृष्ठ-19, 'संगठन के सिद्धांत', पृष्ठ-16, 'संगठन का महत्त्व'

प्रश्न 3. वैज्ञानिक प्रबंधन दृष्टिकोण के प्रति एफ.डब्ल्यू. टेलर के योगदान की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-4, पृष्ठ-34, 'परिचय', 'टेलर का वैज्ञानिक प्रबंधक दृष्टिकोण : प्रमुख सिद्धांत'

प्रश्न 4. प्रशासन के सामान्य सिद्धांतों का उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-5, पृष्ठ-44, 'प्रशासन के सामान्य सिद्धांत'

प्रश्न 5. हर्बर्ट साइमन के विचारों के विशेष संदर्भ में निर्णयन-कार्य पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-9, पृष्ठ-81, 'निर्णयन कार्य में मूल्य व तथ्य'

भाग-II

प्रश्न 6. मैस्लो के आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत की चर्चा कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-10, पृष्ठ-110, 'अब्राहम मैस्लो के विचार'

प्रश्न 7. ''विक्टर ब्रूम के प्रत्याशा सिद्धांत में संगठनात्मक प्रक्रियाओं के निहितार्थ हैं।'' विस्तृत वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-13, पृष्ठ-128, प्रश्न 3

प्रश्न 8. संगठन के अध्ययन के लिए प्रणाली दृष्टिकोण के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-14, पृष्ठ-130, 'प्रतिबद्ध प्रणाली', पृष्ठ-135, प्रश्न 1

प्रश्न 9. ''संगठन एक खुली प्रणाली है।'' चेस्टर आई. बर्नार्ड के विचारों के संदर्भ में इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-15, पृष्ठ-138, 'संगठन खुली प्रणाली', पृष्ठ-140, 'चेस्टर बर्नार्ड के विचार'

प्रश्न 10. नवीन लोक प्रशासन पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें–अध्याय-18, पृष्ठ-159, 'नवीन लोक प्रशासन : अभ्युदय और संवृद्धि'

■■

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

प्रशासनिक सिद्धांत
(Administrative Theory)

लोक प्रशासन : अर्थ, स्वरूप, कार्यक्षेत्र और महत्त्व
(Public Administration: Meaning, Nature, Scope and Importance)

1

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

परिचय

अध्ययन के विषय के रूप में प्रशासन का प्रारम्भ 1887 में प्रशासन के अध्ययन पर विल्सन के निबंध के प्रकाशन से हुआ। प्रक्रिया के रूप में प्रशासन सरकारी और निजी दोनों संगठनों में होता है। यह व्यापारिक कंपनी, श्रमिक संघ, धार्मिक या धर्मार्थ संगठन तथा शिक्षा संस्थाओं आदि में भिन्न-भिन्न होता है। यह स्वरूप उस क्षेत्र से प्रभावित होता है, जिससे यह सम्बद्ध होता है। प्राय: प्रशासनों का विभाजन दो प्रकार से किया जाता है–

1. सरकारी प्रशासन और
2. निजी प्रशासन।

1. सरकारी कार्यकलाप के पक्ष के रूप में यह राजनीतिक प्रणाली (प्रणालियों) के आविर्भाव से अस्तित्व में आया है। लोक प्रशासन सरकार द्वारा किए गए कार्यों से सम्बन्धित है।

2. निजी प्रशासन का अर्थ निजी व्यापारिक उद्यमों के प्रबंधन से है।

इस इकाई में निम्नलिखित का अध्ययन किया जाएगा–

- प्रशासन और लोक प्रशासन की परिभाषा,
- लोक प्रशासन का स्वरूप,
- लोक-प्रशासन के कार्य-क्षेत्र,
- सरकारी और निजी (Public and Private) प्रशासन के मध्य अन्तर।
- उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण की तुलना में लोक प्रशासन की भूमिका।

अध्याय का विहंगावलोकन

प्रशासन क्या है? (What is Administration?)

शब्द 'एडमिनिस्टर' (Administer) की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द 'Administere' से हुई है, जिसका अर्थ इस प्रकार है–

(i) लोगों की देखभाल करना,

(ii) कार्यों का प्रबंध करना।

प्रशासन कार्यकलापों का ऐसा वर्ग है, जिसमें वांछित लक्ष्यों या उद्देश्यों को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए सहयोग और समन्वय अंतर्निहित होता है।

स्थूल रूप से प्रशासन शब्द के लगभग चार भिन्न-भिन्न अर्थ या भिन्न भाव हैं, जो उस सन्दर्भ पर निर्भर हैं, जिसके लिए यह प्रस्तुत किया जाता है–

1. विधा के रूप में (As Discipline)–अधिगम की शाखा या बौद्धिक विधा जैसा कि कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में पढ़ाया या अध्ययन किया जाता है।

2. व्यवसाय के रूप में (As Occupation)–कार्य या व्यापार या व्यवसाय अथवा पेशे का प्रकार, जिसमें उच्च अधिगम की शाखा में ज्ञान और प्रशिक्षण अंतर्निहित है।

www.neerajbooks.com

3. प्रक्रिया के रूप में (As Process)–कुछ सेवाओं या माल का उत्पादन करने के लिए सरकारी नीति या नीतियों के क्रियान्वयन में प्रारंभ किए गए क्रियाकलापों का योग है।

4. 'शब्द' कार्यकारी या सरकार के लिए पर्यायवाची के रूप में (The Word as Synonym of Executive or Government)–कार्यों के उच्चतम प्रकार में व्यक्तियों के लिये, जैसे–ओबामा प्रशासन आदि।

प्रशासन की परिभाषाएं (Definitions of Administration)–प्रशासन की प्रमुख परिभाषायें निम्न प्रकार हैं–

1. ब्रुक्स एडम्स (Brooks Adams) के अनुसार, "प्रशासन एक ही अवयव संस्थान में बहुतों का और ऐसी प्राय: परस्पर विरोधी सामाजिक शक्तियों का निपुणतापूर्वक समन्वय करने की क्षमता रखता है कि वे एक इकाई के रूप में कार्य कर सकें।"

2. ई.एन. ग्लेडेन (E.N. Gladden) के अनुसार, "प्रशासन लम्बा और किंचित आडम्बरपूर्ण शब्द है, क्योंकि इसका अर्थ लोगों की देखभाल करना और कार्यों की व्यवस्था करना है। सचेतन प्रयोजन (Conscious Purpose) के अनुसरण में की गई निश्चित कार्रवाई है।"

3. एफ.एम. मार्क्स (F.M. Marx) के अनुसार, "प्रशासन सचेतन प्रयोजन (Conscious Purpose) के अनुसरण में निर्धारित की गई कार्रावाई है। यह कार्यों का प्रणालीबद्ध अनुक्रम है और संसाधनों का सुविचारित प्रयोग है, जिसका लक्ष्य उन कार्यों को करवाना है, जिन्हें कोई कहना चाहता है और देश को प्रत्येक बात पहले बताना चाहता है।"

4. एल.डी. वाइट (L.D. White) के अनुसार, "कुछ प्रयोजन और उद्देश्य प्राप्त करने के लिए बहुत से व्यक्तियों का निर्देशन, समन्वय और नियंत्रण प्रशासन की कला है।"

5. लूथर गुलिक (Luther Gulick) के अनुसार, "प्रशासन को स्पष्ट उद्देश्यों की उपलब्धि के साथ कार्य करवाना होता है।"

6. जे.एम. पिफ्नेर और आर. प्रेस्थस (J.M. Pfiffner and Presthus) के अनुसार, "प्रशासन वांछित उद्देश्य प्राप्त करने के लिए मानव और वस्तुगत संसाधन का संगठन और निर्देशन है।"

7. फेलिक्स ए. निग्रो (Felix A. Nigro) के अनुसार, "प्रशासन संगठन और प्रयोजन पूरा करने के लिए व्यक्तियों और सामग्री का प्रयोग है।

8. हर्बर्ट ए. सीमॉन, डी.डब्ल्यू. स्मिथबर्ग और **वी.ए. थाम्पसन** (Herbert A. Simon, D.W. Smithburg and V.A. Thompson) *केअनुसार,"उसकेविशालतमअभिप्रायमेंप्रशासन के उभयनिष्ठ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामूहिक सहयोग के क्रियाकलापों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"*

विश्लेषण (Analysis)–उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि प्रशासन में निम्नलिखित दो अनिवार्य तत्त्व हैं–

1. सहयोगशील प्रयास (Cooperative Efforts)

2. सामान्य उद्देश्यों का अनुसरण (Pursuit of Common Objectives)

केवल एक ही सामान्य प्रयोजन होने पर सामूहिक प्रयास के अभाव में या विलोमत: कोई प्रशासन नहीं पा सकते।

प्रशासन "सामाजिक सम्बन्धों की प्रौद्योगिकी" भी कहलाता है। इस प्रकार प्रशासन सभी सामूहिक प्रयासों, सरकारी या निजी, सिविल या सैन्य, बड़े पैमाने या छोटे पैमाने के लिए सामान्य प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया बड़े स्टोर, बैंक, विश्वविद्यालय, हाई स्कूल, रेल बोर्ड, अस्पताल, होटल या स्थानीय शासन में कार्य करती है।

प्रशासन, संगठन और प्रबंधन
(Administrative Organisation and Management)

प्रशासन, संगठन और प्रबंधन का प्रयोग प्राय: एक-दूसरे के लिए अदल-बदल और पर्याय के रूप में किया जाता है।

1. प्रशासन (Administration)–विलियम सखुलज के अनुसार, "प्रशासन बल है, जो उस उद्देश्य को निश्चित करता है जिसके लिए संगठन और उसके प्रबंधन को प्रयास करना है और वे व्यापक नीतियां, जिनके अधीन उन्हें कार्य करना है।"

2. संगठन (Organisation)–संगठन मनुष्यों, सामग्री, औजारों, उपकरणों और कार्यस्थल का संयोजन है, जो कुछ-कुछ वांछित उद्देश्यों की पूर्ति करने हेतु प्रणालीबद्ध और प्रभावकारी सहसंबंध में एक साथ लाए जाते हैं।

3. प्रबंधन (Management)–प्रबन्धन पूर्व निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति के लिए संगठन का नेतृत्व करता है, निर्देश देता है और पथ-प्रदर्शन करता है।

निष्कर्षत: स्थिति इस प्रकार है–

(i) प्रशासन लक्ष्य निर्धारित करता है।

(ii) प्रबंध इसे प्राप्त करने का प्रयास करता है।

(iii) संगठन प्रशासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रबंधन की मशीन है।

प्रमुख विचार (Main Views)—प्रशासन और प्रबंध के सम्बन्ध में विद्वानों के विचार भिन्न-भिन्न हैं। प्रमुख विचार निम्नलिखित प्रकार हैं–

1. पीटर ड्रकेर (Peter Drucker) के अनुसार, "प्रबंध व्यापारिक कार्यकलाप से संबद्ध है, जिसे आर्थिक निष्पादन दिखाना है। प्रशासन गैर-व्यापारिक कार्यकलाप से सम्बद्ध है। उदाहरणार्थ, सरकार के कार्यकलाप।"

2. डॉ. विबासि (Dr. Vibasi) के अनुसार, "प्रशासन नेमी कार्यों के निष्पादन से संबद्ध है। जो प्रक्रियाओं, नियमों और विनियमों के अनुसार व्यवस्था के रूप में माना जाता हैं।"

प्रबंधन का संबंध निम्नलिखित प्रकार के कार्यों के निष्पादन से है–

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

(i) जोखिम लेना,
(ii) गतिशील कार्य,
(iii) सृजनात्मक कार्य और
(iv) नवाचारी कार्य।

लोक प्रशासन के कुछ विद्वान प्रथम मत से निकटतापूर्वक जुड़े हुए हैं अर्थात प्रशासन निर्धारक कार्य है। प्रबन्धन कार्यपालिका का कार्य है, उसका सम्बन्ध मुख्यत: प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यापक नीतियों के निर्वहन से है। संगठन वह मशीनरी है, जिसके माध्यम से प्रशासन और प्रबंधन के मध्य समन्वय की स्थापना की जाती है।

लोक प्रशासन की परिभाषा
(Definition of Public Administration)

एल.डी. वाइट के अनुसार लोक प्रशासन रूप और उद्देश्यों में भिन्न होता है और सार्वजनिक और निजी कार्यों के प्रशासन में बहुत बिन्दुओं पर समानता होती है, यदि अभिन्नता नहीं है। ऐसी सामान्य अवधारणा के अभिन्न पक्ष के रूप में लोक प्रशासन उस प्रकार के प्रशासन से सम्बन्धित है जो विशिष्ट प्ररूप वर्गीकरण के अंतर्गत कार्य करता है। यह राजनीतिक कार्यकलापों द्वारा निर्मित नीति-निर्णयों के निर्वहन का माध्यम है।

स्पष्टत: लोक प्रशासन "एक सार्वजनिक" पक्ष है, जो इसे विशेष स्वरूप और फोकस प्रदान करता है। औपचारिक रूप से इसका अभिप्राय "सरकार" हो सकता है। इस प्रकार लोक प्रशासन निम्नलिखित का संगम है–

(i) सरकारी प्रशासन,
(ii) कार्यरत सरकार,
(iii) सामाजिक-आर्थिक और
(iv) राजनीतिक-प्रशासनिक।

लोक प्रशासन विशेष रूप से सरकारी नौकरशाही पर केन्द्रित है। इस प्रकार लोक प्रशासन प्रशासन के उस भाग से सम्बन्धित है जो सरकार के प्रशासनिक कार्यों से सम्बन्ध रखे। इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के अनुसार, "लोक प्रशासन अपनी सरकार के माध्यम से राज्य की नीति का अनुप्रयोग है।"

परिभाषाएं (Definitions)–विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गयी लोक प्रशासन की परिभाषाएं निम्नलिखित हैं–

1. वुड्रो विल्सन (Woodrow Wilson)–"लोक प्रशासन कानून का ब्योरेवार और क्रमबद्ध अनुप्रयोग है। कानून का प्रत्येक अनुप्रयोग विशेष प्रशासन का कार्य है।"

2. एल.डी. वाइट (L.D. White)–लोक प्रशासन के अन्तर्गत वे समस्त कार्य सम्मिलित हैं जिनका प्रयोजन सरकारी नीति की पूर्ति या प्रवर्तन में होता है।"

वाइट ने उपर्युक्त परिभाषा में बहुत से क्षेत्रों में विशेष संक्रिया की अधिकता में पत्र का विवरण, सरकारी भूमि की बिक्री, संधि की वार्ता, घायल कर्मी की क्षतिपूर्ति, रोगी बच्चे की चिकित्सा, पार्क से कचरा हटाना, यूरेनियम 235 का विनिर्माण और परमाणु ऊर्जा के प्रयोग का लाइसेंस देना सम्मिलित किया है। इसमें निम्नलिखित कार्य सम्मिलित हैं–

(i) सैनिक कार्य तथा सिविल अथवा असैनिक कार्य,
(ii) न्यायालयों का अधिकांश कार्य,
(iii) सरकारी क्रियाकलाप के सभी विशेष क्षेत्र।

जैसे–पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक कार्य का निर्माण, संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा और बहुत से अन्य कार्य। उन्नत सभ्यताओं में सार्वजनिक कार्य के संचालन हेतु प्राय: प्रत्येक व्यवसाय और दक्षता, जैसे–इंजीनियरिंग, कानून, औषधि और शिक्षण में रोजगार, क्राफ्ट (दस्तकारी), तकनीकी विशेषज्ञता, कार्यालय दक्षता आदि अनेक अन्य की आवश्यकता है।

3. एम. रूथनास्वामी (M. Ruthanaswami)–"जब प्रशासन का राज्य अथवा छोटी राजनीतिक संस्थाओं, नगरपालिका या कंट्री काउंसिल (जिला बोर्ड) के कार्यों से संबंध होता है तो यह लोक प्रशासन कहलाता है। सरकार के अधिकारियों के सभी कार्य दूर स्थित कार्यालय में चपरासी से लेकर राजधानी में राज्य के प्रमुख तक लोक प्रशासन होता है।"

4. जे.एम. पिफ्नेर (J.M. Pfiffner)–"प्रशासन लोगों के प्रयासों का समन्वय करके सरकार का काम करवाने की प्रक्रिया है ताकि वे अपने कार्यों की पूरा करने के लिए साथ-साथ कार्य कर सकें।"

5. लूथर गुलिक (Luther Gulick)–"लोक प्रशासन प्रशासन के विज्ञान का वह भाग है जिसे सरकार से संबंध रखना है। यह मुख्यत: अपने आपको कार्यापालिका शाखा से जोड़े रखता है, जहां सरकार का काम किया जाता है। यद्यपि स्पष्ट रूप से विधायी और न्यायपालिका शाखाओं से संबंधित समस्याएं भी होती हैं।"

6. पर्सी मैकक्वीन (Percy McQueen)–"*लोकप्रशासन सरकार के कार्यों, चाहे वे स्थानीय हों या केन्द्रीय, से सम्बन्धित है।*"

7. एच.ए. सीमॉन, डी.डब्ल्यू. स्मिथबर्ग और वी.ए. थाम्पसन (H.A. Simon, D.W. Smithburg and V.A. Thompson)–"सामान्य प्रयोग में लोक प्रशासन का अभिप्राय राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय सरकारों, सरकारी निगमों तथा विशेषज्ञ स्वरूप के कुछ अन्य अभिकरणों की कार्यपालिका शाखाओं के कार्यकलाप से है। सरकारी और निजी प्रशासन से न्यायापालिका और विधायिका विशेष रूप से पृथक किए गए हैं।"

8. कोर्सन और हेरिस (Corson and Harris)–"लोक प्रशासन सरकार का क्रिया भाग है, जिसके माध्यम से सरकार के प्रयोजन और उद्देश्य पूरे किए जाते हैं।"

9. एम.ई. डिमॉक (M.E. Dimock)–"लोक प्रशासन का सम्बन्ध सरकार के 'क्या' और 'कैसे' से है। विषय 'क्या' क्षेत्र का तकनीकी ज्ञान है, जो प्रशासक को अपने कार्यों के निष्पादन में सक्षम बनाता है। विषय 'कैसे' प्रबंधन की तकनीक है, जिसके

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

सिद्धान्तों के अनुसार सहयोगात्मक कार्यक्रम सफलता से किए जाते हैं। प्रत्येक अपरिहार्य के साथ मिलकर संश्लेषण बनाते हैं जिसे प्रशासन कहा जाता है।"

10. ड्वाइट वाल्डो (Dwight Waldo)–"लोक प्रशासन राज्य के कार्यों के लिए यथा अनुप्रयुक्त सरकारी मशीन की कला और विज्ञान है।"

11. निकोलस हेनरी (Nicholas Henry)–"लोक प्रशासन सिद्धान्त और व्यवहार का व्यापक क्षेत्र और अव्यवस्थित संयोजन है। इनका प्रयोजन समाज से सरकार और उसके सम्बन्ध की श्रेष्ठ जानकारी को बढ़ावा देना है। यह सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति सरकारी नीतियों को अधिक प्रतिसंवेदी बनाने की व्यवस्था करता है तथा प्रोत्साहित भी करता है एवं नागरिक वर्ग के लिए अपेक्षित प्रभाविकता दक्षता और अधिक गहरे मानवीय पहलू को स्थापित करता है।"

विश्लेषण (Analysis)–लोक प्रशासन की उपर्युक्त परम्परागत परिभाषा यह परिलक्षित करती है कि–

(i) लोक प्रशासन में केवल सरकार की नीतियां और कार्यक्रम का निर्वहन सम्मिलित है।
(ii) नीति निर्माण में इसकी कोई भूमिका नहीं है।
(iii) यह कार्यपालिका शाखा में प्रशासन का स्थान निर्धारण भी करना है।

वर्तमान स्थिति (Present State)–परन्तु वर्तमान में 'लोक प्रशासन' शब्द को व्यापक अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है। सरकार के कार्यक्रमों के निर्वहन में सम्मिलित होने के साथ-साथ यह नीति निर्माण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सरकार की तीनों शाखाओं को सम्मिलित करता है।

एफ.ए. निग्रो और एल.जी. निग्रो के अनुसार लोक प्रशासन इस प्रकार है–

1. सार्वजनिक व्यवस्था में सहयोगात्मक सामूहिक प्रयास है।
2. इसमें सभी तीनों शाखाएं सम्मिलित हैं–
   (i) कार्यपालिका,
   (ii) विधायिका,
   (iii) न्यायपालिका तथा उनका पारस्परिक संबंध।
3. लोक प्रशासन की प्रबंध नीति के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका है इस प्रकार यह राजनीतिक प्रक्रिया का भाग है।
4. लोक प्रशासन निजी प्रशासन से भिन्न है।
5. लोक प्रशासन समुदाय को सेवाएं देने वाली सेवाओं में बड़ी संख्या में निजी समूहों से निकटतापूर्वक संबद्ध है।

लोक प्रशासन–महत्त्वपूर्ण बातें (Public Administration–Important Points)–

1. लोक प्रशासन राजनीतिक प्रणाली में कार्यरत गैर-राजनीतिक सरकारी नौकरशाही है।
2. लोक प्रशासन निम्नलिखित का संचालन करता है–
   (i) राज्य के उद्देश्य,
   (ii) प्रभुसत्ता इच्छा,
   (iii) सार्वजनिक हित और कानून।
3. लोक प्रशासन सरकार के कार्य से संबंधित पक्ष है। इस प्रकार यह नीति निष्पादन से संबंधित होने के साथ-साथ निर्माण से भी संबंधित है।
4. इसमें सरकार की सभी तीनों शाखाएं सम्मिलित हैं, तथापि इसकी प्रवृत्ति केवल कार्यपालिका शाखा में केन्द्रित होने की होती है।
5. लोक प्रशासन अच्छा जीवन प्राप्त करने के लिए लोगों को नियामक और सेवा कार्य प्रदान करता है।
6. लोक प्रशासन निजी शासन से विशेषकर उसके सार्वजनिक बल में पर्याप्त भिन्न है।
7. लोक प्रशासन स्वरूप में अन्त:विधापरक है। यह अन्य सामाजिक विज्ञानों; जैसे–राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र से सम्बन्ध प्राप्त करता है।

लोक प्रशासन का स्वरूप
(Nature of Public Administration)

लोक प्रशासन के स्वरूप के बारे में निम्नलिखित दो मत हैं–

1. संपूर्ण (Integral)
2. प्रबंधकीय (Managerial)

इनका विवरण निम्नलिखित प्रकार से है–

1. लोक प्रशासन का संपूर्ण मत (Integral View of Public Administration)– इस मत का समर्थन हेनरी फेयॉल और एल.डी. वाइट ने किया है–

इस मत के अनुसार प्रशासन समस्त कार्यकलापों–हस्तचालित (मैनुअल), लिपिकीय तथा प्रबंधकीय आदि का कुल योग है। ये संगठन के उद्देश्य प्राप्त करने के लिए आरम्भ किए जाते हैं। इस दृष्टिकोण से वे सरकार के परिचरों से सचिवों तक सरकार के अधिकारियों और राज्य के प्रमुख कार्य प्रशासन का गठन करते हैं।

2. लोक प्रशासन का प्रबंधकीय मत (Managerial View of Public Administration)–इस मत के अनुसार उन लोगों के प्रबंधकीय क्रियाकलाप, जो योजना निर्माण, संगठन, समादेशन, सम्बन्ध और नियंत्रण में सम्मिलित हैं, लोक प्रशासन को गठित करते हैं। इस मत के अनुसार प्रशासन काम करवाने वाला है न कि कार्य करने वाला। इस मत का समर्थन लूथर गुलिक, हर्बर्ट सीमॉन, स्मिथबर्ग और थाम्पसन ने विभिन्न प्रकर से किया है। प्रबंधकीय मत में गैर-प्रबंधकीय क्रियाकलाप, जैसे–हस्तचालित, लिपिकीय और तकनीकी क्रियाकलाप सम्मिलित नहीं हैं।

अन्तर (Distinction)–दोनों मत एक-दूसरे से भिन्न हैं–

1. सम्पूर्ण मत में प्रशासन में लगे हुए सभी व्यक्तियों के क्रियाकलाप सम्मिलित हैं, जबकि प्रबंधकीय मत स्वत:

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com